

सोने की झारी, राज्याभिषेक में काम आने वाला घट 5. लौंग।

भृंगारिका स्त्री. (तत्.) 'झिल्ली' या 'झिंगुर' नाम का कीड़ा।

भृंगी स्त्री. (तत्.) 1. भृंग या भौर की मादा, बिलनी, 'भृंग' नाम का कीड़ा पुं. (तत्.) 2. भ्रमर, भौरा, तितली 3. वट वृक्ष, बरगद का पेड़ 4. भगवान शिव/महादेव का एक गण।

भृंगीश पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

भृकुटी पुं. (तत्.) भृकुटि, भू, भौंह, त्योंरी, भूभंग।

भृगु पुं. (तत्.) 1. पर्वत का खड़ा किनारा, बहुत ढालू पहाड़ी, कगार, उत्प्रपात, खड़ा ढाल 2. पर्वत के शिखर पर समतल भूमि 3. शिव 4. एक प्राचीन ऋषि 5. शुक्र का विशेषण, शुक्र ग्रह।

भृगुकच्छ पुं. (तत्.) गुजरात के भड़ौच नगर का प्राचीन नाम।

भृगुज पुं. (तत्.) भृगु ऋषि का वंशज, भृगुवंशी शुक्राचार्य, जमदग्नि अर्थात् परशुराम।

भृगुनाथ वि. (तत्.) भृगुवंश में श्रेष्ठ, भृगुनाथ, भृगुनायक, भृगुपति, भृगुवर पुं. शुक्राचार्य, जमदग्नि के पुत्र परशुराम।

भृगुपतन पुं. (तत्.) पहाड़ के किनारे से गिरकर आत्महत्या करना, भृगुपात।

भृगुमुख्य पुं. (तत्.) परशुराम।

भृगुरेखा स्त्री. (तत्.) विष्णु की छाती पर भृगु की लात का निशान, भृगुलता।

भृगुवासर पुं. (तत्.) शुक्रवार, भृगुवार, जुमा।

भृगुसुत पुं. (तत्.) परशुराम, जमदग्नि ऋषि के पुत्र, जामदग्न्य।

भृत वि. (तत्.) 1. भरा हुआ, पूरित 2. पाला पोसा हुआ, पोषित 3. संपन्न पुं. भाड़े का नौकर, भृत्य।

भृतक पुं. (तत्.) पैसे या वेतन पर काम करने वाला नौकर।

भृति स्त्री. (तत्.) 1. भरने की क्रिया या भाव, सेवा 2. पालन-पोषण 3. मजदूरी, भत्ता, भाड़ा, वेतन वाली नौकरी, वेतन, तनखाह 4. मूल्य दाम 5. पालन करना पालना 6. वह धन जो विवाह-विच्छेद पर जीवन निर्वाह के लिए पति द्वारा पत्नी को दिया जाता है।

भृतिभोगी वि. (तत्.) वेतन पर काम करने वाला।

भृत्य पुं. (तत्.) सेवक, नौकर, चाकर।

भृश वि. (तत्.) 1. मजबूत, शक्तिशाली, ताकतवर 2. गहन 3. अत्यधिक, बहुत ज्यादा।

भृष्ट वि. (तत्.) 1. भूना हुआ, तला हुआ 2. सूखा हुआ।

भ्रंगा वि. (देश.) जिसके नेत्रों की पुतलियाँ किसी अन्य को देखते समय तिरछी लगती हो।

भेंट स्त्री. (तद्.) 1. परिचित या अपरिचित व्यक्ति से होने वाला मिलन, मुलाकात 2. नजराना, बड़ों को सादर दिया गया उपहार, सौगात 3. पूज्य व्यक्ति को या मंदिर आदि में श्रद्धा भक्ति के साथ अर्पित वस्तु अथवा धन इत्यादि 4. देवी की स्तुति में गाए जाने वाले गीत/भजन आदि।

भेंटना स.क्रि. (देश.) 1. भेंट करना, मुलाकात करना, मिलन 2. आलिंगन करना, गले लगाना 3. वक्ष से लगाना 4. छूना, पकड़ना।

भेक पुं. (तत्.) 1. मेंढक, मंडूक 2. छोटा मेंढक, मेंढकी 3. डरपोक आदमी।

भेख पुं. (तद्.) 1. वेश, वेश-भूषा, पहनावा, भेस, बनावटी रूप और पहनावा 2. साधु/संन्यासियों का बाहरी रूप और पहनावा जिससे उनके संप्रदाय या पंथ आदि का पता चलता है।

भेखज पुं. (तद्.) 1. भेषज, औषध, दवा 2. उपचार, इलाज, चिकित्सा।

भेजना स.क्रि. (तद्.) 1. व्रजन, किसी को जाने के लिए प्रवृत्त करना, प्रस्थान कराना, प्रेषण, रवाना करना 2. किसी वस्तु को किसी अन्य माध्यम से अन्यत्र पहुँचाने की व्यवस्था करना।